कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, कतीरा, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com

09431091369

मौसम आधारित कृषि परामर्श

भोजपुर जिले के मौसम का पूर्वानुमान

मौसम कारक	22.05.2024	23.05.2024	24.05.2024	25.05.2024	26.05.2024
वर्षा (मि.मी.)	1	0	2	0	0
अधिकतम तापमान (से.)	40.3	38.9	37.6	37.7	40.3
न्यूनतम तापमान (से.)	27.3	24.6	26.0	26.6	29.3
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	44	52	44	38	36
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	17	23	24	21	18
हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा)	15	18	16	13	15
पवन दिशा (डिग्री)	107	101	103	135	114
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	0	1	2

मौसम सारांश / चेतावनी :

- भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 22 से 26 मई के दौरान जिले के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा, मेघ गर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम अधिकतम तापमान 35–38 डिग्री सेंटीग्रेट और न्यूनतम तापमान 22–24 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।
- सापेक्षित आर्द्रता सुबह में 75 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 20 से 35 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पुर्वानुमान की अवधी में 14–25 किमी/घंटा की रफतार से पूरवा हवा चल सकती है।

सामान्य सलाह :

पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए खड़ी फसलों में सिचाई स्थगित करें। कीब्नाशक दवा एवं खाद का छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करें।

लघु संदेश सलाह :

आकाशीय बिजली से सुरक्षा हेतु अलर्ट हेतु ''दामिनी'' मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

फसल विशिष्ट सलाह :

चावल	धान की नर्सरी के लिए खेत की तैयारी करें। देर से पकने वाली किस्मों की नर्सरी 25 मई से लगा सकते हैं। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800–1000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25–1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रख
मूँग	मूँग एवं उरद में कीट एवं रोग व्याधि की नियमित रूप से निगरानी करें। इन फसलों में सफेद मक्खी (एक रस चुसक कीट) के द्वारा प्रसारित होने वाले एक विनाशकारी रोग पीला मोजैक

	विषाणु रोग है। इसके शुरूवाती लक्षण पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप दिखाई देता है, बाद में पत्तियॉ तथा फलियॉ पूर्ण रूप से पीली हो जाती है। इन पत्तियों पर उत्तक क्षय भी देखा जाता है। फलन काफी प्रभावित होता है। उपचार हेतु रोग ग्रसित पौधों को शुरू में ही उखाड़ कर नष्ट कर दें तथा इमिडाक्लोरोप्रिड 17.8 एस0एल0/0.3 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह :

भिण्डी	भिंडी की फसल में तुड़ाई के बाद युरिया @ 5–10 कि0ग्रा0 प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें तथा माईट कीट की निरंतर निगरानी करते रहें। अधिक कीट पाये जाने पर ईथियॉन @ 1.5–2 मि0ली0 / लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
लीची	लीची के पेड़ में अगर दीमक लग गया है तो उसमें इथियन 50 ई0सी0 @ 2 मि0ली0/लीटर पानी में घोल बनाकर आसमान साफ रहने पर ही करें।

पशुपालन पालन विशिष्ट सलाहः

गाय	गलघोटू एवं लंगड़ी रोग से बचाव के लिए टीकाकरण कराने की आवश्यकता है। सभी दुधारू प्शुओं में टीकाकरण आवश्य करायें।